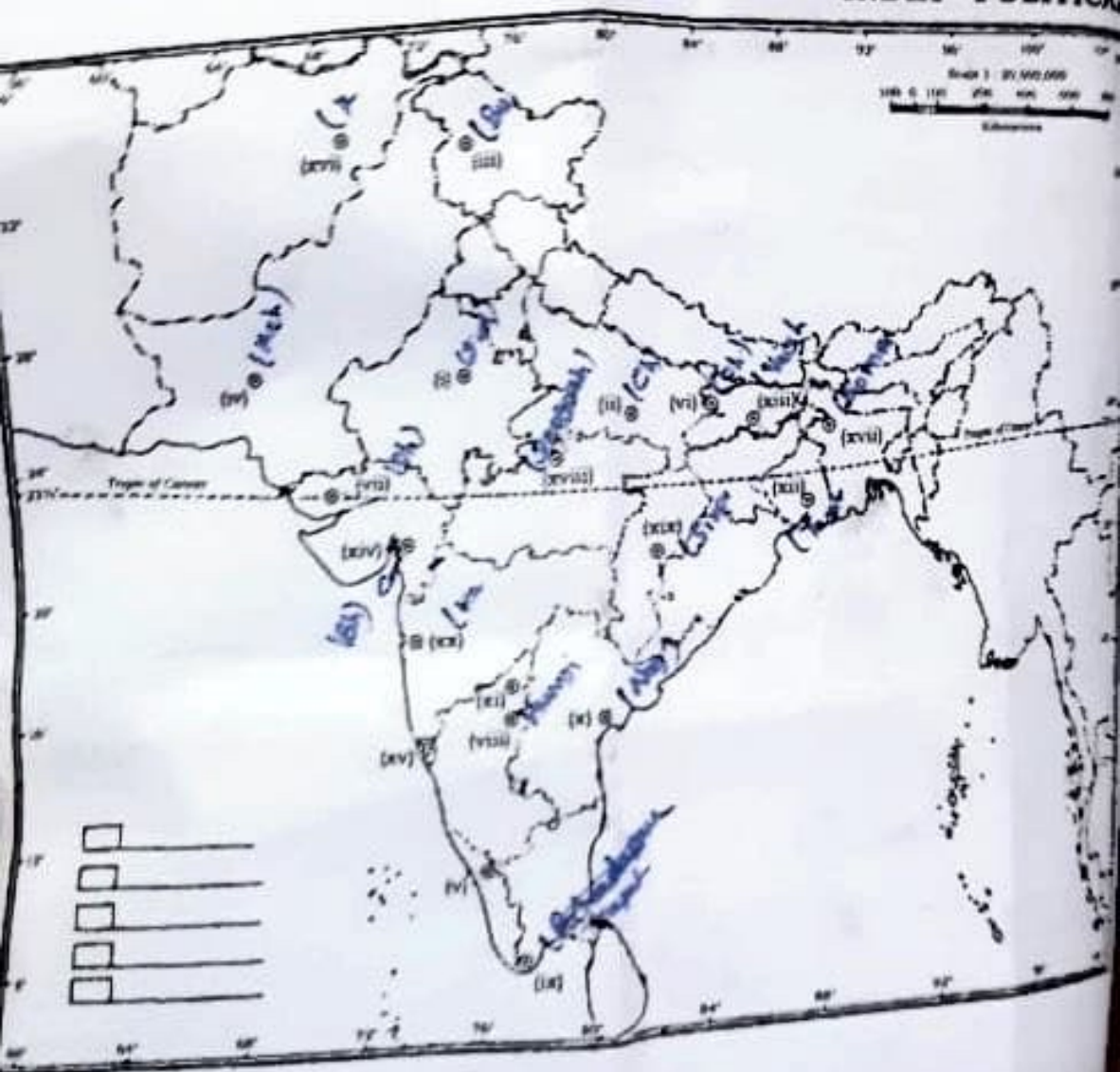


INDIA—POLITIC



खण्ड—A / SECTION—A

1. आपको दिए गए मानचित्र पर अंकित निम्नलिखित स्थानों की पहचान कीजिए एवं अपनी प्रश्न-पत्र-पर सुविधा के साथ से प्रत्येक पर लगभग 30 शब्दों की संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। मानचित्र पर अंकित प्रत्येक स्थान के लिए उचित संकेत संकेत क्रमानुसार नीचे दिए गए हैं :

Identify the following places marked on the map supplied to you and write a short note of about 30 words on each of them in your Question-answer-Answer Booklet. Locational hints for each of the places marked on the map are given below serially :

- (i) पुरापाषाणकालीन स्थल
Palaeolithic site ✓
- (ii) शवाधान-युक्त मध्यपाषाणकालीन स्थल
Mesolithic site with burials ✓
- (iii) नवपाषाणकालीन गड्ढावास
Neolithic pit-dwelling ✓
- (iv) प्रारम्भिक ग्रामीण बस्ती
Early village settlement ✓
- (v) नवपाषाणकालीन स्थल
Neolithic site *
- (vi) नवपाषाणकालीन-ताम्रपाषाणकालीन स्थल
Neolithic-Chalcolithic site ✓
- (vii) हड़प्पन यूनेस्को स्थल
Harappan UNESCO site ✓
- (viii) महापाषाणकालीन शवाधान स्थल
Megalithic burial site ✓

- (ix) द्वितीय संगम का स्थल
Place of Second Sangam ✓
- (x) प्रारम्भिक सतवाहन राजधानी
Earliest Satavahana capital ✓
- (xi) अशोक का अभिलिखित प्रतिमा स्थल
Place of inscribed statue of Ashoka
- (xii) प्रथम गुप्तकालीन मुद्रा-निधि
First Gupta hoard of coins ✓
- (xiii) धात्विक प्रतिमा-निधि
Hoard of metal sculptures ✓
- (xiv) प्राचीन बन्दरगाह
Ancient port ✓
- (xv) प्राचीनतम जेसुइट चर्च
Oldest Jesuit church
- (xvi) गान्धार कला-केन्द्र
Centre of Gandhara art
- (xvii) बौद्ध विहार
Buddhist monastery ✓
- (xviii) प्रारम्भिक विष्णु मन्दिर स्थल
Place of earliest Vishnu temple ✓
- (xix) शैव एवं बौद्ध मन्दिर संकुल
Shiva and Buddhist temple complex ✓
- (xx) प्रारम्भिक चैत्य गृह
Earliest Chaitya Griha ✓

2. (a) हड़प्पीय सभ्यता का नगरीय चरित्र न तो किसी बाहरी प्रभाव का परिणाम था और न ही कोई अचानक होने वाली घटना अपितु यह स्थानीय सामाजिक-आर्थिक कारकों का क्रमिक विकास था। टिप्पणी कीजिए।

The urban character of the Harappan Civilization was a result neither of any outside influence nor a sudden act but a gradual evolution of regional socio-economic factors. Comment.

20

- (b) प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत के रूप में विदेशी विवरण के कुछ लाभ हो सकते हैं, परन्तु इनमें कतिपय कमियाँ भी थीं। उपयुक्त उदाहरणों का हवाला देते हुए इस कथन का परीक्षण कीजिए।

Foreign accounts as a source of ancient Indian history may have some advantages but also have a few shortcomings. Citing appropriate examples, examine the statement.

15

- (c) बौद्ध धर्म के कुछ विचारों की उत्पत्ति भले ही वैदिक-उपनिषदीय परम्परा में रही हो, परन्तु अपने विशिष्ट सिद्धांत और संस्थाओं के साथ यह पूर्ण रूप से एक नया धर्म था। विवेचना कीजिए।

Though some of the ideas of Buddhism may have had their origin in Vedic-Upanishadic traditions but it was an altogether new religion with its own specific principles and institutions. Discuss.

15

3. (a) गुप्त शासकों की आर्थिक उपलब्धियाँ एक ऐसी प्रक्रिया की परिणति थी जो कुषाण शासकों के समय शुरू हुई थी। टिप्पणी कीजिए।

The economic achievements of the Guptas were the culmination of a process which began during the Kushanas. Comment.

20

- (b) अशोक के धम्म का प्रचार-प्रसार न केवल नैतिक उत्थान और सामाजिक समरसता के लिए अपितु राज्य की शक्ति के विस्तार के लिए भी किया गया था। इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

Ashoka's Dhamma was propagated not just for moral upliftment and social harmony but also for the extension of the state's authority. Analyse the statement.

15

- (c) प्रतिनिधि उदाहरणों की मदद से मन्दिर स्थापत्यकला की नागर और द्रविड़ शैलियों के बीच की प्रमुख भिन्नताओं का निरूपण कीजिए।

With the help of representative examples, delineate the main differences between the Nagara and Dravida styles of temple architecture.

15

4. (a) आठवीं तथा नौवीं शताब्दी के दौरान उत्तर भारत पर इधुल्ल हेतु त्रिकोणीय संघर्ष के महत्व का मूल्यांकन कीजिए।
Evaluate the importance of tripartite struggle for the domination over North India during the eighth and ninth centuries.

20

- (b) पूर्व मध्यकाल में तमिल भक्ति आन्दोलन की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
Throw light on the chief characteristics of Tamil Bhakti Movement during the early medieval period.
- (c) कल्हण की राजतरंगिणी प्रारम्भिक भारत में इतिहास लेखन परम्परा का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। विवेचना कीजिए।
Kalhana's *Rajatarangini* is the best example of history writing tradition in early India. Discuss.

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each :

10×5=50

- (a) 'ब्रह्मदेय' अनुदान क्या थे? पूर्व मध्यकाल में बड़ी संख्या में दिए गए इस तरह के अनुदानों का विवरण आप कैसे देंगे?

What were 'Brahmadeya' grants? How do you account for the large number of such grants in the early medieval period?

- (b) तेरहवीं शताब्दी के उत्तर भारत में अधिक संख्या में शहरी बस्तियों की स्थापना मुख्य रूप से तुर्की सैन्य टुकड़ियों की समस्त भू-भाग में तैनाती के कारण हुई थी। टिप्पणी कीजिए।

The establishment of large number of urban settlements in North India in the thirteenth century was principally owing to the deployment of Turkish garrisons across the lands. Comment.

- (c) इल्तुतमिश की मृत्यु के उपरान्त अधिकांश राजनैतिक अस्थिरता चहलगान की करतूत का परिणाम थी। स्पष्ट कीजिए।

Much of the political instability after the death of Ilutmish was the doing of the Chahalgan. Elucidate.

- (d) राजपूत चित्रकला, शैली में मुगल थी पर विषयवस्तु में राजपूत। टिप्पणी कीजिए।

The Rajput school of painting was Mughal in style and Rajput in its content. Comment.

- (e) अठ्ठारहवीं शताब्दी में मराठा शक्ति के उथान की व्याख्या कीजिए।

Account for the rise of the Maratha power in the eighteenth century.

6. (a) अलाउद्दीन खिलजी के बाजार विधायन सुल्तान की शैव शक्ति के लिए उपयोगी थे, परन्तु सामान की सर्वजनिकता के लिए हानिकारक। टिप्पणी कीजिए।

The market regulations of Ala-ud-din Khilji were useful for the Sultan's military might but harmful for the economy of the Sultanate. Comment. 15

- (b) मंसबदारी के राज्यकाल में मंसबदारी व्यवस्था की प्रकृति का परीक्षण कीजिए।

Examine the nature of the Mansabdari system during the reign of Akbar. 15

- (c) चोल साम्राज्य का समुद्री विस्तार प्रमुखतः उनके विदेशी वाणिज्यिक शिष्टों के उद्योग था। स्पष्ट कीजिए।

Chola maritime expansion was driven largely by concerns of overseas commerce. Elucidate. 20

7. (a) बारहवीं शताब्दी के दक्षिणी दक्कन में वीरशायवा आन्दोलन वास्तव में एक समाज सुधार का प्रयास था। विवेचन कीजिए।

The Virashaiva Movement of Southern Deccan in the twelfth century was essentially an attempt at social reform. Discuss. 15

- (b) हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के विभिन्न धारों केन्द्रीय साम्राज्य के बजाय क्षेत्रीय विधायकों के संरक्षण के परिणाम थे। विवेचन कीजिए।

The various Gharanas of Hindustani classical music were outcomes of patronage by regional princely courts, rather than central imperial ones. Discuss. 15

- (c) विजयनगर राज्य और बहमनी के उत्तराधिकारी राज्यों के मध्य दीर्घकालीन संघर्ष सांस्कृतिक कारणों से कम और सांस्कृतिक तथा आर्थिक कारणों से ज्यादा प्रभावित था। टिप्पणी कीजिए।

The prolonged conflict between the Vijayanagara Kingdom and the Bahmani successor states was influenced less by cultural factors, and more by strategic and economic considerations. Comment. 20

8. (a) मुगल काल में व्यापार एवं वाणिज्य ने भारतीय उपमहाद्वीप का एकल बाजार में एकीकरण किया। टिप्पणी कीजिए।

Trade and commerce in the Mughal Empire brought about the integration of the Indian subcontinent into a single market. Comment. 15

- (b) औरंगजेब की दक्कन नीति मुगलती के पतन का एक प्रमुख कारण थी। विवेचन कीजिए।

Aurangzeb's Deccan policy was a major factor in Mughal decline. Discuss. 15

- (c) पंद्रहवीं शताब्दी की वैष्णव भक्ति परम्परा ने प्रादेशिक साहित्य के उत्कर्ष में योगदान दिया। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचन कीजिए।

The Vaishnava Bhakti tradition of the fifteenth century contributed to the flourishing of provincial literature. Discuss with appropriate examples. 20
